गिरेगी गाज — क्यूआर कोड चस्पा नहीं करने वाले लायसेंसियों पर गिरेगी गाज

शराब दुकानों पर क्यूआर कोड का 'डिजिटल पहरा'

नवभारत, बालाघाट। प्रदेश की मदिरा दुकानों पर हो रही मनमानी वसूली और नियमों के उल्लंघन को रोकने के लिए अब तकनीक और सख्ती करने का निर्णय लिया है। विभाग के संज्ञान में आया है कि कई जिलों में शराब की दुकानों पर न केवल अधिकतम विक्रय मूल्य एमआरपी से अधिक दाम वसूले जा रहे हैं, बल्कि प्रतिस्पर्धा के चलते न्यूनतम विक्रय मूल्य एमएसपी से कम पर भी मदिरा बेची जा रही है। इस गंभीर अनियमितता को विभागीय निर्देशों की खुली अवहेलना मानते हुए आबकारी आयुक्त श्री दीपक सक्सेना ने अब हर मदिरा दुकान पर 'क्यूआर कोड' चस्पा करना अनिवार्य कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था उपभोक्ताओं को सशक्त बनाएगी, जिससे वे मौके पर ही अपने स्मार्टफोन से स्कैन कर ब्रांड की वास्तविक और कानूनी दरों का सत्यापन कर सकेंगे।

अब हर मदिरा दुकान पर ई-आबकारी पोर्टल द्वारा जनरेटेड क्यूआर कोड लगाना अनिवार्य है। इसे स्कैन करते ही उपभोक्ता के मोबाइल पर संबंधित जिले की रेट

लिस्ट खुल जाएगी। कोई दुकान संचालक यदि निर्धारित एमएसपी से कम या एमआरपी से ज्यादा पर बिक्री करता है, तो मध्यप्रदेश राजपत्र की कंडिका 21.2 एवं 21.3 के तहत उसके विरुद्ध लाइसेंस निरस्तीकरण जैसी कठोर वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। उपभोक्ता अब सीधे मौके पर ही रेट का मिलान कर सकेंगे।

यह कदम उपभोक्ताओं को पारदर्शी सेवाएं देने की दिशा में एक बड़ा बदलाव है। ई-आबकारी पोर्टल के माध्यम से जिला अधिकारियों को विशेष क्यूआर कोड उपलब्ध कराए गए हैं, जिन्हें दुकानों के प्रमुख हिस्सों पर लगाना होगा। कोई लायसेंसी यदि इन नियमों की अनदेखी करता है या निर्धारित दरों से अलग बिक्री करता पाया जाता है, तो उसे भारी दंड का सामना करना पड़ेगा। मदिरा उपभोक्ताओं को उचित मूल्य पर उत्पाद उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है और इसमें किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसी पारदर्शिता को जमीन पर उतारने के लिए प्रदेश भर में 28 अप्रैल 2026 से 7 मई 2026 तक एक विशेष 10 दिवसीय जांच अभियान चलाया जा रहा है, जिसकी रिपोर्ट 11 मई तक अनिवार्य रूप से तलब की गई है।

मदिरा दुकानों पर विक्रय मूल्यों के सत्यापन हेतु चस्पा किये जाने वाले क्यूआर कोड सम्बन्धी निर्देश में कहा गया है कि क्यूआर कोड को ए-3 आकार के स्टिकर पेपर पर प्रिंट कराया जाये। पेपर न्यूनतम 250 जीएसएम की गुणवत्ता का होना चाहिए। स्टिकर में ग्लू पर्याप्त गुणवत्ता/मात्रा का होना चाहिए, जिससे इसे एक बार चस्पा होने पर निकाला न जा सके। प्रत्येक मदिरा दुकान हेतु 5 क्यूआर कोड प्रिंट कराये जाएं। क्यूआर कोड को अभी मदिरा दुकान के ऐसे स्थानों पर चस्पा कराये जाएँ जहाँ से अधिकतम उपभोक्ताओं द्वारा इन्हें आसानी से स्कैन किया जा सके। शेष 2 क्यूआर कोड को भविष्य में आवश्यकता हेतु सुरक्षित रखा जाए, जिन्हें पूर्व में चस्पा क्यूआर कोड फटने अथवा क्षतिग्रस्त होने पर पुनः चस्पा कराया जाए।

क्यूआर कोड विभाग द्वारा प्रिंट कराये जाकर मदिरा दुकानों पर चस्पा कराये जाएँ, जिसका स्टेशनरी हेतु निर्धारित कोषालय शीर्ष से भुगतान किया जाये। सम्बंधित वृत्त प्रभारी द्वारा मदिरा दुकान के क्यूआर कोड को स्कैन किया जाकर यह परिक्षण कर लिया जाए कि इसके माध्यम से मदिरा के विक्रय मूल्य (एमएसपी एवं एमआरपी) की जानकारी प्रदर्शित हो रही है। क्यूआर कोड चस्पा होने पर, सम्बंधित वृत प्रभारी से मदिरा दुकान की फोटो प्राप्त की जाए जिसमे क्यूआर कोड प्रदर्शित हों। समस्त दुकानों पर उक्त कार्यवाही होने पर कार्यपूर्णता प्रमाण पत्र आबकारी आयुक्तत कार्यालय को प्रेषित करने कहा गया है।

जिला स्तरीय ओलम्पियाड में अशिम वाघाडे रहीं प्रथम

नवभारत कटंगी। शासकीय मिडिल स्कूल पुलपुट्टा की छात्रा अशिम वाघाडे ने जिला स्तरीय ओलम्पियाड प्रतियोगिता में खैरलांजी तहसील में कक्षा 8वी में हिन्दी विषय पर प्रथम स्थान प्राप्त कर स्कूल और गांव का नाम गौरवान्वित किया। इस उपलब्धि पर अशिम को बीआरसी खैरलांजी द्वारा विद्वानों और शिक्षकों की उपस्थिति में प्रमाण पत्र और भविष्य में पढाई के क्षेत्र में काम आने वाली सामग्री भेंट स्वरूप प्रदान की गई। इस अवसर पर हेड मास्टर गजेन्द्र गौपाले, युवा कवि संजय अश्क और ग्रामीणों ने अशिम को बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की।

मॉडल स्कूल बिरसा में पर्यावरण व गणित पर जागरूकता कार्यशाला आयोजित

नवभारत, बैहर। शासकीय मॉडल स्कूल, बिरसा में पर्यावरण शिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत एकल उपयोगी प्लास्टिक एवं जल संरक्षण विषयों पर जागरूकता कार्यशालाओं का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक बनाना तथा उन्हें सतत जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था।

कार्यशाला में विद्यार्थियों को बताया गया कि एकल उपयोगी प्लास्टिक जैसे पॉलीथिन, प्लास्टिक कप और अन्य डिस्पोजेबल सामग्री पर्यावरण के लिए अत्यंत हानिकारक हैं। इनके स्थान पर पर्यावरण-अनुकूल विकल्प अपनाने की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया गया। इसके साथ ही जल संरक्षण पर आयोजित सत्र में विद्यार्थियों को जल के महत्व, वर्षा जल संचयन और जल के विवेकपूर्ण उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण विषय पर एक प्रभावशाली नाटक भी प्रस्तुत किया, जिसमें प्लास्टिक प्रदूषण और जागरूक नागरिक की भूमिका को जीवंत रूप में दर्शाया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बिरसा के इको-क्लब इंचार्ज संतोष कुमार उपाध्याय तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में उच्च माध्यमिक शिक्षक दोहाराम बिसेन उपस्थित रहे। आयोजन का संचालन विद्यालय के इको क्लब प्रभारी जय प्रकाश यादव के मार्गदर्शन में किया गया। इसी क्रम में गणित विषय पर भी एक कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें गणित प्रभारी उम्मेद केलकर ने विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। वहीं, विद्यालय के पूर्व छात्र एवं वर्तमान में इंजीनियर प्रफुल्ल बडघैय्या ने विद्यार्थियों के प्रश्नों का सरल एवं प्रभावी समाधान किया।

विद्यालय के प्राचार्य सौरभ कुमार शर्मा ने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने तथा शिक्षा के प्रति समर्पित रहने के लिए प्रेरित किया। अतिथियों ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें सकारात्मक बदलाव अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकगण राजेश कुमार धुर्वे, राजेश राहंगडाले, पुष्पेन्द्र कुमार पालके, कमल सिंह मेरावी, उम्मेद केलकर, डिलेश्वरी भगत, स्वाति ब्रम्हनोटे, सुरेश बघेल, आशीष तिल्लासी, संतोष बिसेन एवं फगनूसिंह सैय्याम सहित अन्य अतिथि शिक्षक भी उपस्थित रहे।

आम आदमी पार्टी ने फूंका दागी सांसदों का पुतला, भाजपा में शामिल हुए 7 राज्यसभा सांसदों के खिलाफ जताया विरोध

नवभारत, बालाघाट। आम आदमी पार्टी ने 29 अप्रैल बुधवार को शहर मुख्यालय के कालीपुतली चौक में भाजपा में शामिल हुए अपने 7 राज्यसभा सांसदों का पुतला फूंका। आप कार्यकर्ताओं ने इन्हें दागी और दल-बदलू बताते हुए इनके खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की। राज्यसभा सचिवालय ने 27 अप्रैल को आप पार्टी के सातों सांसदों के भाजपा में विलय को आधिकारिक मंजूरी दे दी। इन सांसदों ने ईडी व सीबीआई की जांच व गिरफ्तारी से डरकर भाजपा का दामन थाम लिया। जिन सांसदों का पुतला दहन किया गया है, इनमें राघव चड्ढा, संदीप कुमार पाठक, पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह, अशोक कुमार मित्तल, विक्रमजीत सिंह साहनी, स्वाति मालीवाल, राजेंद्र गुप्ता शामिल है। इस दौरान आप पार्टी के जिलाध्यक्ष शिव जायसवाल ने इसे राजनीतिक विश्वासघात बताते हुए कहा कि भाजपा ने ऑपरेशन लोटस के तहत इन सांसदों को खरीद लिया है। आप पार्टी ने इन पर विश्वास कर राज्यसभा सांसद के रूप में जनता की सेवा करने भेजा था। जो गिरफ्तारी के डर से भाजपा में शामिल हो गए जो पार्टी व जनता के साथ बहुत बड़ा विश्वासघात है। कार्यक्रम मेंप्रदेश पदाधिकारियों में रजनीश नायडू स्टेट कॉर्डिनेटर मनोज पमनानी प्रदेश सयुक्त सचिव, शरद जैन प्रदेश उपाध्यक्ष बुद्धिजीवी विंग अंकित जेतवार सोशल मीडिया जोन इंचार्ज, शिव जायसवाल जिला अध्यक्ष,ग्रामीण जिला अध्यक्ष मस्तराम डहारे अनिल ब्रह्मे जिला सचिव,सादिक कुरेशी जिला उपाध्यक्ष सुरेश सिंह कारे जिला उपाध्यक्ष, भीमसेन ठाकरे जिला उपाध्यक्ष, प्रदीप नागेश्वर जिला संयुक्त सचिव, रामचन्द्र सीहोर जिला अध्यक्ष व्यापारी विंग,श्रीमती ऊषा नगपुरे महिला विंग जिला अध्यक्ष, दिनेश बघेले जिला अध्यक्ष मजदूर विंग, संतोष अहिगारे जिल अध्यक्ष एस सी विंग , कमलेश रामटेके जिला अध्यक्ष शिक्षा विंग, ज्ञानेश राणा जिला सचिव शिक्षा विंग, ओमप्रकाश जायसवाल, जिला अध्यक्ष विंग डॉ भुनेश भारद्वाज जिला अध्यक्ष चिकित्सा विंग, दुर्गा प्रसाद कटरे जिला अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग विंग, नागेन्द्र पवार चिकित्सा विंगजिला उपाध्यक्ष,सीताराम डहारे भुनेश्वर दशहरे जिला उपाध्यक्ष शिक्षा विंग सहित,बड़ी संख्या में आक्रोशित आप प्रदेश पदाधिकारियों जिला पदाधिकारियों सहित विभिन्न विंगो के जिला अध्यक्ष, पदाधिकारी कार्यकर्ता गण सम्मिलित हुए।

नगर पालिका परिषद का नवाचार, प्रदीप जायसवाल के हस्ते गंदे पानी को स्वच्छ करने के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की हुई शुरूवात

दूषित पानी को भौतिक, रासायनिक और जैविक प्रकिया द्वारा साफ कर उसे कृषि और औद्योगिक उपयोग के योग्य बनाया जायेगा

नवभारत, वारासिवनी। नगर के स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए आज नगर पालिका परिषद द्वारा सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के निर्माण हेतु भूमि पूजन कार्यक्रम संपन्न किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रदीप जायसवाल पूर्व केबिनेट मंत्री उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे के द्वारा की गयी। नपा परिषद पिछले कयी साल से वारासिवनी को महानगरो की तर्ज पर सुविधा देने के लिये बडी बडी सौगाते प्रदान कर रही है। आज इसी श्रंखला मे वार्ड 12 मे शिव मंदिर के सामने के मैदान मे स्वच्छता अभियान के दिशा मे एक नये अध्याय की शुरूवात कर दी गयी है।

कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत पूजा-अर्चना के साथ किया गया। उपस्थित अतिथियों ने भूमि पूजन कर परियोजना के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निर्माण के निर्देश भी जारी किये। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के निर्माण से नगर की जल निकासी व्यवस्था सुदृढ़ होगी तथा गंदे पानी का वैज्ञानिक तरीके से उपचार किया जा सकेगा। इससे न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि आसपास के जल स्त्रोतों की स्वच्छता भी सुनिश्चित होगी।

इस शुरूवात के संदर्भ मे प्रदीप जायसवाल ने मिडिया के सवालो पर कहा की नगर मे 5 करोड 50 लाख की राशी से वाटर टी्टमेंट प्लांट के तहत दूषित पानी को भौतिक, रासायनिक और जैविक प्रकिया द्वारा साफ कर उसे क्रषि और औधोगिक उपयोग के योग्य बनाकर पर्यावरण को सुरक्षित रखने का कार्य किया जा रहा है। नगर मे जनसंख्या के बढते दबाव, ग्रामीण क्षेत्रो से नगरीय क्षेत्रो मे लोगो के आने से घरो की संख्या मे तेजी से इजाफा हो रहा है। इन घरो का या औधोगिक विषयो का गंदा पानी हमारे नगर के आमा तालाब, शंकर तालाब, चंदन नदी आदि मे जाने से इसका चैतरफा प्रभाव पडता है। अत इस वाटर टीमेंट प्लांट का निर्माण अब समय की मांग हो गया है। नपा परिषद नगर के गंदे पानी को यहा एकत्र कर प्लांट के माध्यम से शुद्ध करने जा रही है।

एक सवाल पर गुडडा भैया ने यह भी कहा की बडी बडी मशीनो वाली इस कार्य योजना को 18 माह की समयसीमा मे पूर्ण करने के बाद आवश्यकता पडने पर इस शुद्व पानी को ऐथेनाल या अन्य औधोगिक इकाइयो को बेचकर नपा की आमदानी को बढाया जा सकता है। इसी तरह नपा अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे ने कहा की इस प्लांट के निर्माण से नगर में स्वच्छता स्तर में उल्लेखनीय सुधार होगा तथा स्वच्छ सर्वेक्षण में बेहतर रैंकिंग प्राप्त करने में भी मदद मिलेगी। साथ ही ट्रीटेड पानी का उपयोग उद्यानों की सिंचाई एवं अन्य उपयोगी कार्यों में किया जा सकेगा। आज वाटर टी्टमेंट प्लांट की शुरूवात के पलो मे मुख्य अधिकारी सूर्यप्रकाश उके, उपयंत्री सुमीत मोटवानी, अंशिका चैहान, कार्यएंजेसी के अधिकारीगण, पार्षदगण सहित प्रमुख अधिकारी व उत्तर प्रदेश की कार्यएंजेसी के प्रमुख अधिकारीगण उपस्थित भी रहे।

भगवान परशुराम पर अभद्र टिप्पणी पर सर्व ब्राह्मण समाज में आक्रोश

▶ आरोपी दामोदर यादव पर कारवाई की मांग, कहा- धार्मिक भावनाएं हुई आहत थाना पहुंचकर सौंपा ज्ञापन

नवभारत कटंगी, 29 अप्रैल। भगवान परशुराम के संबंध में की गई कथित अभद्र टिप्पणी को लेकर कटंगी में सर्व ब्राह्मण समाज में आक्रोश व्याप्त है। समाज के लोगों ने आजाद समाज पार्टी (भीम आर्मी) के राष्ट्रीय कोर कमेटी सदस्य एवं दलित पिछड़ा समाज संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष दामोदर यादव पर धार्मिक भावनाएं आहत करने का आरोप लगाया है।

कानूनी कार्रवाई की मांग की

इस मामले को लेकर बुधवार दोपहर लगभग 1 बजे सर्व ब्राह्मण समाज के प्रतिनिधियों ने एसडीएम, एसडीओपी, तहसीलदार कार्यालय एवं थाना कटंगी पहुंचकर ज्ञापन सौंपा और संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की।

भगवान परशुराम त्याग और मर्यादा के प्रतीक

ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि भगवान परशुराम भगवान विष्णु के छठे अवतार माने जाते हैं और उनका जीवन आदर्श, त्याग एवं मर्यादा का प्रतीक है। उनके प्रति अभद्र टिप्पणी करना न केवल असहनीय है, बल्कि यह करोड़ों हिंदुओं की धार्मिक आस्था पर सीधा आघात भी है।

प्रशासन ने दिया आश्वासन

एसडीओपी विवेक शर्मा ने समाज के प्रतिनिधियों को आश्वस्त किया कि ज्ञापन वरिष्ठ अधिकारियों को भेजकर नियमानुसार जांच के बाद वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

इनकी रही उपस्थिति

ज्ञापन सौंपने वालों में राकेश शर्मा, कैलाश शर्मा, ओंकारेश्वर दुबे, दिनेश मिश्रा, नीरज पालीवाल, संदीप शर्मा, साकेत मिश्रा, मनीष तिवारी, कन्हैया शर्मा, बुलबुल दीक्षित, साकेत तिवारी, देवी प्रसाद तिवारी, मनीष शर्मा सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। प्रतिनिधिमंडल ने एसडीओपी विवेक शर्मा एवं तहसीलदार राकेश प्रजापति को ज्ञापन सौंपा।

पुर्नस्थापन — असम के काजीरंगा से कान्हा टाइगर रिजर्व में 4 जंगली भैंसों का हुआ सफल पुर्नस्थापन

प्रदेश में जंगली भैसा प्रजाति का पुर्नस्थापन ऐतिहासिक अवसर : मुख्यमंत्री डॉ . यादव

नवभारत, बालाघाट। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश में संचालित जैव विविधता संरक्षण के अगले अध्याय के रूप में आज जंगली भैंसा पुनर्स्थापना योजना का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कान्हा टाइगर रिजर्व में काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान असम से लाए गए जंगली भैंसों के पुनर्स्थापना के लिए उन्हें बालाघाट जिले के सूपखार क्षेत्र में सॉफ्ट रिलीज किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश की धरती पर नए मेहमान के शुभ आगमन के लिए प्रदेशवासियों को बधाई दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर मीडिया से चर्चा में कहा कि प्रदेश के लिए आज का दिन ऐतिहासिक है। लगभग 100 वर्ष के बाद प्रदेश की धरती पर जंगली भैंस का पुनर्वास एवं पुनर्स्थापना कार्य हो रहा है। यह मध्य प्रदेश के वन्य जीव एवं वन पारिस्थितिक संरक्षण के लिए अद्भुत अवसर है। जंगली भैंस के पुनर्वास से घास के मैदान के संरक्षण और इकोसिस्टम को मदद मिलेगी। यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार विलुप्त प्रजातियां के वन्यजीवों को मध्य प्रदेश में वापस लेकर आ रही है। इससे जंगल,

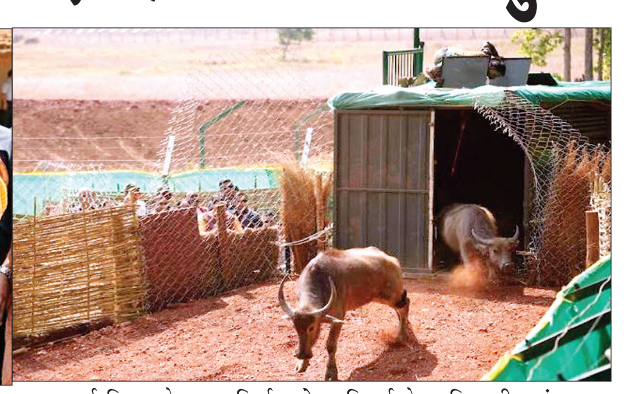

वन्य प्राणियों से समृद्ध होगा और स्थानीय स्तर पर टूरिज्म के माध्यम से लोगों को रोजगार भी मिलेगा। जंगली भैंसों की ट्रांसलोकेशन से असम के साथ मध्यप्रदेश का एक नया रिश्ता कायम हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि असम यात्रा के दौरान उनकी असम के मुख्यमंत्री डॉ. हेमंत बिश्वा सरमा के साथ जंगली भैंसों और गैंडा के पुनर्वास को लेकर सार्थक चर्चा हुई थी।

मध्यप्रदेश वन्य प्राणी संरक्षण में देश में मिसाल प्रस्तुत कर रहा है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि बालाघाट जिले के जंगल में छोड़े गए जंगली भैंसों में तीन मादा और एक नर शामिल है। सभी जंगली भैंसा युवा अवस्था में हैं और स्वस्थ हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश आज टाइगर और चीता स्टेट है, मध्य प्रदेश में मगरमच्छ, घड़ियाल और भेड़िया भी पर्याप्त संख्या में पाए जाते हैं। मध्य प्रदेश अब वल्चर स्टेट यानी गिद्ध स्टेट भी बना है। मध्य प्रदेश की धरा हर तरह के वन्य प्राणियों से समृद्ध है। कई सौ साल पहले विलुप्त हुए पर प्राणियों के पुनर्स्थापना से प्रदेश के समृद्ध वनों में वन्य प्राणियों के संरक्षण का सपना साकार हो रहा है, मध्यप्रदेश वन्य प्राणी संरक्षण में देश में मिसाल प्रस्तुत कर रहा है। हमारा यह प्रयास भावी पीढ़ियों को लाभ देगा।

राज्य सरकार प्रदेश में अधोसंरचना विकास कार्यों को गति देने के साथ ही पारिस्थितिक तंत्र को मजबूत बनाने के लिए सम्पूर्ण निष्ठा के साथ निर्णय ले रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आशीर्वाद से वर्ष 2022 में चीतों का पुनर्वास हुआ। आज सुपर कूनो अभ्यारण के बाद गांधी सागर अभ्यारण्य में भी चीते दौड़ लगा रहे हैं। सागर के पास नोरादेही अभ्यारण में भी चीतों को बसाने की पूरी तैयारी है। यह सभी कार्य प्रदेश के लिए धरोहर होंगे। इस अवसर पर सांसद श्रीमति भारती पारधी, मध्यप्रदेश अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य श्री भगत सिंह नेताम, मध्य प्रदेश की प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्य जीव श्रीमती समिता राजौरा, जबलपुर संभाग के कमिश्नर श्री धनंजय सिंह, कलेक्टर श्री मृणाल मीना, पुलिस अधीक्षक श्री आदित्य मिश्रा, कान्हा टाईगर रिजर्व के अधिकारी एवं पत्रकार उपस्थित रहे। इस अवसर पर वन विभाग के अधिकारियों ने मुख?यमंत्री डॉ. मोहन यादव को जंगली भैसा पुनर्स्थापन के लिए स्मृति चिन्ह भेंट किया।

अंतर-राज्यीय सहयोग के इस महत्वपूर्ण अभियान के प्रथम चरण में 19 मार्च से 10 अप्रैल 2026 के बीच, कांजीरंगा के मध्य और पूर्वी क्षेत्रों से 7 किशोर भैंसों को लिया गया। 25 अप्रैल 26 को 4 जंगली भैंसों ने कांजीरंगा से कान्हा टाइगर रिज़र्व तक की अपनी 2000 किलोमीटर की यात्रा की। इनका स्थानांतरण काजीरंगा और कान्हा, दोनों जगहों के वरिष्ठ अधिकारियों और अनुभवी पशु चिकित्सकों की देख-रेख में किया गया है।आज दिनांक 28 अप्रैल 2026 इन्हें सूपखार, कान्हा टाइगर रिज़र्व में स्थित बाड़े में सॉफ्ट रिलीज़ किया जा रहा है। स्थानीय रूप से विलुप्त हो चुकी जंगली भैंसे की प्रजाति उनके ऐतिहासिक क्षेत्र (कान्हा) में जैव विविधता को बढ़ावा देगी और कान्हा टाइगर रिज़र्व में घास के मैदानों वाले पारिस्थितिकी तंत्र के प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

मध्यप्रदेश में जंगली भैंसों की आबादी लगभग 100 वर्ष पहले समाप्त हो गई थी। वर्तमान में इनकी प्राकृतिक आबादी मुख्य रूप से असम में सीमित है, जबकि छत्तीसगढ़ में इनकी संख्या अत्यंत कम है। भारतीय वन्यजीव संस्थान (देहरादून) द्वारा किए गए अध्ययन में कान्हा टाइगर रिजर्व को जंगली भैंसों के पुनर्स्थापन के लिए सबसे उपयुक्त पाया गया है। यहाँ के विस्तृत घासभूमि क्षेत्र, पर्याप्त जल स्रोत और न्यूनतम मानव हस्तक्षेप इस प्रजाति के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ प्रदान करते हैं। उन्होंने इस ऐतिहासिक कार्य के लिए कान्हा टाइगर रिजर्व की टीम, डॉक्टरों और स्टाफ की सराहना करते हुए प्रत्येक सदस्य को 10 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की।

मलेरिया से बचाव ही उपचार का दिया संदेश

▶ विश्व मलेरिया दिवस पर कटंगी में निकली जागरूकता रैली

नवभारत, कटंगी 29 अप्रैल। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप एवं जिला मलेरिया अधिकारी एस जुनेजा के मार्गदर्शन तथा खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ. विनोद भलावी के कुशल निर्देशन में शनिवार को वीर शिवाजी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कटंगी में विश्व मलेरिया दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान मलेरिया निरीक्षक जीआर भलावी द्वारा मलेरिया के कारण, लक्षण एवं बचाव-उपचार के बारे में विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि मलेरिया मादा एनाफिलीज मच्छर के काटने से होता है। इसके प्रमुख लक्षण ठंड लगकर तेज बुखार, सिरदर्द, उल्टी और शरीर में दर्द हैं।

मच्छर भगाओ, मलेरिया मिटाओ के नारे लगाए गए

आमजन को जागरूक करने के लिए पोस्टर-पाम्पलेट बांटे गए। कार्यक्रम के अंत में जनजागरूकता हेतु रैली निकाली गई, जिसमें मलेरिया की रोकथाम हेतु नारे लगाए गए 'मच्छर भगाओ, मलेरिया मिटाओ, कहीं भी पानी नहीं जमने दें, मलेरिया से बचकर रहें।

इनकी रही उपस्थिति

कार्यक्रम में बीईई जानकी हरिनखेड़े,बीसीएम कमलेश मेश्राम, जवाहर बिलेवार, बीपीएम आनंद तुरकर, सुपरवाइजर यशोमति मेश्राम, एलएचवी रुबी खान, सीएचओ सत्यम राहंगडाले, एएनएम आर वामनीक, सुषमा चौहान, सुमन वाईकर एवं आशा सुपरवाइजर, आशा कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।